

छत्तीसगढ़ और लोकसभा चुनाव (2004-2024)

Dopendra Kumar Kaushik

Assistant Professor (Guest Lecturer)

Govt. Shyama Prasad Mukherjee College Sitapur, Surguja, Chhattisgarh

सारांश:- भारत राज्यों का संघ है जिसमें एक राज्य छत्तीसगढ़ भी है। यह पहले अविभाजित मध्यप्रदेश का अंग हुआ करता था किन्तु वर्तमान में इसे 26वां राज्य का दर्जा प्राप्त है। दर्जा प्राप्त होने के बाद इसे विधानमंडल एवं संसद की सीटें प्राप्त हुई थी। वर्तमान विधानमंडल में कुल 90 सीटें तथा सांसद में कुल 16 सीटें है जिसमें राज्य सभा की 5 एवं लोकसभा की 11 सीटें प्राप्त हैं। यह शोध पत्र भारत की राजनितिक लोकसभा चुनाव में छत्तीसगढ़ राज्य की भूमिका का तथ्यात्मक विश्लेषण करता है।

मुख्य बिंदु:- राजनीति, लोकतान्त्रिक चुनाव, जनगणना, लोकसभा सीटें।

प्रस्तावना:- भारतीय संविधान के अनुच्छेद 1^[1] में उल्लेखित है कि भारत राज्यों का संघ है। इसके अंतर्गत केंद्र शासित प्रदेश भी आते हैं जिसके तहत कोई भी राज्य और केन्द्र शासित प्रदेश इस संघ से पृथक नहीं हो सकता है। राष्ट्र को सुचारू रूप से चलाने के लिए एक मजबूत नेता की आवश्यकता होती है जिसका उद्देश्य स्वहित नहीं केवल राष्ट्रहित हो। ऐसे ही व्यक्तित्व को चुनने के लिए लोकतांत्रिक चुनाव एक माध्यम होता है जो कि लोकसभा चुनाव से किया जाता है। स्वतंत्र भारत में 1954 के पहले लोकसभा को जनता का सदन के नाम से जाना जाता था। सामान्य अर्थ में देखें तो लोकसभा दो शब्दों से मिलकर बना है प्रथम शब्द लोक जिसका अर्थ जनता और द्वितीय शब्द सभा जिसका अर्थ समूह होता है। यदि शाब्दिक अर्थ देखें तो जनताओं का एक ऐसा समूह जिसे स्वयं जनता लोकतान्त्रिक देशों में प्रत्यक्ष चुनाव के माध्यम से अपना प्रतिनिधि चुनती हैं या ये कहें कि लोकसभा में जनताओं के द्वारा चुने हुए प्रतिनिधियों का समूह। भारतीय संविधान में लोकसभा को निचला सदन, जनता का सदन, लोकप्रिय सदन, प्रथम सदन, अस्थायी सदन, चर्चित सदन या सभा इन नामों से भी संबोधित करते हैं। केंद्र स्तर पर किसी भी राष्ट्रीय दल की सरकार बनने में लोकसभा का प्रत्यक्ष चुनाव विशेष भूमिका निभाता है।

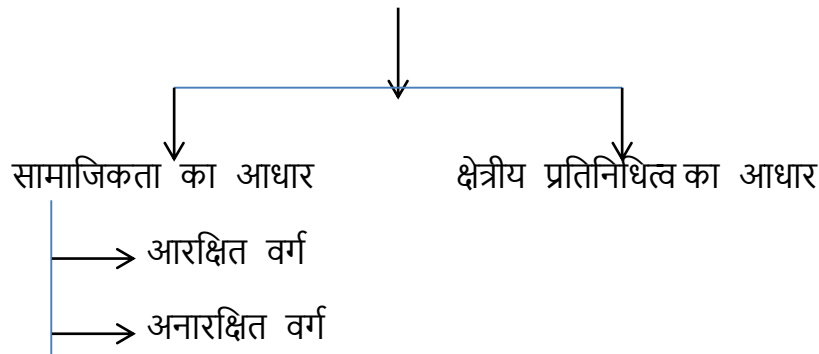
उद्देश्य:- भारत के लोकसभा चुनाव में छत्तीसगढ़ के योगदान का मूल्यांकन करना।

अध्ययन प्रविधि:- प्रस्तुत शोध आलेख द्वितीयक आंकड़ों पर आधारित है। भारत निर्वाचन आयोग एवं छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा प्रकाशित विगत आंकड़े एवं नवीनतम आंकड़ों को प्रमाणिक सन्दर्भ मानकर अध्ययन की समीक्षा की गई है। इस अध्ययन में छत्तीसगढ़ के लोकसभा चुनाव का मूल्यांकन किया गया है।

लोकसभा सीटों का निर्धारण एवं वर्गीकरण:- लोकसभा की सीटों का निर्धारण का आधार परिसीमन आयोग एवं राज्यों की जनसंख्या के द्वारा किया जाता है। परिसीमन आयोग ने सीटों का आवंटन 1971 के जनगणना को आधार बनाकर किया गया था जो कि समय के साथ इसमें संशोधन होते हुए 2026 तक स्थिर कर दिया गया। पूर्व समय में लोकसभा सीटों की अधिकतम संख्या 552 थी किन्तु 104वें संविधान संशोधन 2019 के द्वारा आंग्ल भारतीय समुदाय के 2 सीटों को समाप्त कर दिया गया है अब वर्तमान में लोकसभा

सीटों की अधिकतम संख्या 550 है जिनमें से राज्यों के लिए 530 एवं केंद्र शासित प्रदेशों के लिए 20 सीटों की व्यवस्था की गई है। इनका चुनाव जनता द्वारा प्रत्यक्ष मतदान के द्वारा होता है। जनसंख्या के आधार पर लोकसभा सीटों का निर्धारण समानुपातिक प्रतिनिधित्व अर्थात् भारत के सभी राज्यों को इस प्रकार से सीटें आवंटित की जाती हैं कि उस राज्य की जनसंख्या और उसे आवंटित सीटों की संख्या का अनुपात, पूरे देश में लगभग समान रहे। इसे हम इस तरह समझ सकते हैं कि 1 लोकसभा सीटें अर्थात् 1 लोकसभा सांसद लगभग 20 से 25 लाख जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करता है।

लोकसभा सीटों का वर्गीकरण दो प्रमुख आधारों पर कर सकते हैं-



आरक्षित वर्ग:- इसके अंतर्गत अनुसूचित जाति (SC) एवं अनुसूचित जनजाति (ST) के क्षेत्र आते हैं। वर्तमान में परिसीमन आयोग के अनुसार कुल 131 सीटें आरक्षित वर्ग में हैं। यदि प्रतिशत आधार पर देखे तो लगभग 24.03% आरक्षित है जिसमें से अनुसूचित जाति के लिए 84 और अनुसूचित जनजाति के लिए 47 सीटें प्राप्त हैं।

अनारक्षित वर्ग:- इसके अंतर्गत सामान्य वर्ग के क्षेत्र आते हैं। वर्तमान में परिसीमन आयोग के अनुसार कुल 412 सीटें अनारक्षित वर्ग में हैं।

इस तरह वर्तमान में लोकसभा की कुल 550 सीटों में से आरक्षित वर्ग और अनारक्षित वर्ग का कुल योग देखे तो 543 निर्वाचित सीटें लोकसभा में हैं।

क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व का आधार:- जनसंख्या के आधार पर सभी राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों का अलग-अलग वर्गीकरण किया जा सकता है। जिसमें सबसे ज्यादा जनसंख्या एवं लोकसभा सीट उत्तर प्रदेश की है जो 80 सीटों के साथ ये प्रथम स्थान पर है और सबसे कम लोकसभा सीट वाले राज्यों में मिजोरम, नगालैंड, सिक्किम है जहां पर इन्हें केवल 1-1 सीटें प्राप्त हैं। सबसे कम जनसंख्या एवं लोकसभा सीट के साथ सिक्किम 1 सीट के साथ अंतिम स्थान पर है। 11 सीटों के साथ केंद्र शासित प्रदेशों एवं राज्यों में छत्तीसगढ़ का भारत में 17वां स्थान है।

छत्तीसगढ़ और लोकसभा:- चुनावी जंग की बात की जाए तो इस राज्य में कई क्षेत्रीय दल हैं, लेकिन शुरू से यहां मुख्य मुकाबला भारतीय जनता पार्टी और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी के बीच रहा है। भारत के लोकसभा चुनाव को देखे तो अन्य राज्यों से छत्तीसगढ़ राज्य एक विशेष महत्व रखता है। यह राज्य प्राकृतिक सम्पदा एवं संसाधनों से परिपूर्ण है जो भारतीय राज्यों में अपने आप में विशेष है। यहां के खनिज सम्पदा का निर्यात केंद्र स्तर तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी देखा जा रहा है। छत्तीसगढ़ राज्य अपने भौगोलिक के साथ ही साथ राजनितिक रूप में भी आगे बढ़ रहा है। भारतीय जनगणना 2011 के अनुसार छत्तीसगढ़

राज्य की जनसंख्या 2.55 करोड़ है।^[2] जो जनसंख्या के मामले में भारत का 16वां बड़ा राज्य है। जिसका देश की जनसंख्या में 2.11% की हिस्सेदारी है।^[3] जनसंख्या के आधार पर इस राज्य को लोकसभा की 11 सीटें प्राप्त हुई है। इन 11 सीटों के आधार पर केंद्र शासित प्रदेशों एवं राज्यों में छत्तीसगढ़ का भारत में 17वां स्थान है।^[4] जिनमें से इन 11 सीटों में अनारक्षित या सामान्य वर्ग के लिए 6, आरक्षित वर्ग के लिए 5 सीटें जिनमें अनुसूचित जाति (SC) 1 अनुसूचित जनजाति (ST) 4 सीटें प्राप्त है। परिसीमन आयोग के द्वारा 1976 में सामान्य वर्ग के लिए 5 एवं आरक्षित वर्ग के लिए 6 सीटें आवंटित किए थे जिसने अनुसूचित जाति (SC) के लिए 2 सीटें आरक्षित किया गया था किन्तु आयोग ने 2008 में संशोधन करते हुए सामान्य वर्ग के लिए 1 सीट में वृद्धि अर्थात् अब 6 सीट एवं आरक्षित वर्ग के लिए 1 सीट में कमी अर्थात् अब 5 सीट आरक्षित किए हैं।^[5]

लोकसभा के 11 निर्वाचन क्षेत्रों की जानकारी जिलेवार निम्नलिखित है।^[6]

अनारक्षित 6 सीट के अंतर्गत आने वाले जिलों में है-

सामान्य वर्ग - रायपुर, महासमुंद, दुर्ग, राजनांदगांव, बिलासपुर, कोरबा।

आरक्षित 5 सीट के अंतर्गत आने वाले जिलों में है-

अनुसूचित जाति (SC) - जांजगीर-चांपा, अनुसूचित जनजाति (ST) - सरगुजा, रायगढ़, कांकेर, बस्तर।

लोकसभा सीटों के आवंटन का अधिकार:- लोकसभा सीटों के आवंटन का अधिकार भारतीय संसद को है जो कि एक संवैधानिक प्रावधान है जिसके तहत भारतीय संविधान के अनुच्छेद 81वें व 82वें के अंतर्गत संसद को यह अधिकार और शक्ति है कि वह भारतीय राज्यों के बीच लोकसभा सीटों का आवंटन करें।^[7]

लोकसभा चुनाव में छत्तीसगढ़ से प्रमुख मुद्दे:-

किसी भी चुनाव में विजय प्राप्त करने के लिए सबसे जरूरी है कि उस राज्य के जो प्रमुख मुद्दे हैं जिनसे जनता परेशान है उन्हें हल करना और उनका ऐसा समाधान निकालना जिनसे किसी को भी कोई परेशानी न हो। ऐसे ही छत्तीसगढ़ राज्य के कुछ प्रमुख मुद्दे हैं जो निम्नलिखित हैं-

पर्यावरण को नुकसान पहुंचाएं बिना विकास कार्यक्रम,

जमीनी स्तर पर कल्याणीकारी योजनाओं का क्रियान्वयन करना,

आदिवासीयों के अधिकार और वनाधिकार कानून,

नक्सलवाद, सुरक्षा और क्षेत्रीय विकास, कृषि, भ्रष्टाचार में कमी लाना,

न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) पर फसल बेचना,

बेरोजगारी को दूर कर रोजगार उपलब्ध कराना, उन्हें आत्मनिर्भर बनाना इत्यादि।

उपरोक्त छत्तीसगढ़ के प्रमुख मुद्दे पर कोई भी राजनीति दल यदि अपना पूर्ण योगदान दे तो उस दल का चुनाव में विजय होना निश्चित है।

लोकसभा का चुनावी विश्लेषण और उनके परिणाम:- भारत में वर्तमान में 18वीं लोकसभा चल रही हैं।

1 नवम्बर 2000 को छत्तीसगढ़ राज्य गठन होने के समय भारत में 13वीं लोकसभा चल रही थी। वर्तमान समय में छत्तीसगढ़ में अब तक कुल 5 लोकसभा चुनाव हो चुके हैं जिनके लोकसभा का चुनावी विश्लेषण और उनके परिणाम निम्नलिखित हैं-

लोकसभा चुनाव 2004^[8]:- भारत के लिए यह 14वां लोकसभा चुनाव था तो वहीं छत्तीसगढ़ गठन के बाद प्रथम लोकसभा चुनाव था। वर्ष 2003 में छत्तीसगढ़ राज्य गठन के बाद प्रथम विधानसभा चुनाव हुआ और भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनीं और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री माननीय श्री रमन सिंह जी थे। इसके अगले वर्ष 2004 में भारत में लोकसभा चुनाव हुए जिसमें छत्तीसगढ़ से राष्ट्रीयकृत दलों जैसे भारतीय जनता पार्टी, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी, बहुजन समाज पार्टी एवं अन्य स्वतंत्र व क्षेत्रीय दलों ने चुनाव लड़ा। कुल 11 लोकसभा सीटों में 10 सीटों पर भारतीय जनता पार्टी ने एवं केवल 1 सीट पर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी ने विजय प्राप्त किया। जिन उम्मीदवारों की चुनाव में विजय प्राप्त हुई उनके नाम एवं विजय क्षेत्र निम्नलिखित है-

क्र.	लोकसभा क्षेत्र	उम्मीदवारों के नाम	राजनितिक दल	कुल मत	विजेता
1	बस्तर (ST)	बलिराम कश्यप Vs महेन्द्र कर्मा	भा.ज.प. Vs भा.रा.कां.	212,893 Vs 158,520	भा.ज.प. बलिराम कश्यप
2	कांकेर (ST)	सोहन पोटाई Vs श्रीमती गंगा पोटाई ठाकुर	भा.ज.प. Vs भा.रा.कां.	274,294 Vs 200,668	भा.ज.प. सोहन पोटाई
3	सरगुजा (ST)	नंद कुमार साय Vs खेलसाय सिंह	भा.ज.प. Vs भा.रा.कां.	357,108 Vs 253,656	भा.ज.प. नंद कुमार साय
4	रायगढ़ (ST)	विष्णुदेव साय Vs रामपुकार सिंह	भा.ज.प. Vs भा.रा.कां.	329,057 Vs 254,814	भा.ज.प. विष्णुदेव साय
5	बिलासपुर (SC)	पुत्रुलाल मोहले Vs डॉ. बसंत पहरें	भा.ज.प. Vs भा.रा.कां.	324,729 Vs 243,176	भा.ज.प. पुत्रुलाल मोहले
6	सारंगढ़ (SC)	गुहाराम अजगल्ले Vs परशराम भरद्वाज	भा.ज.प. Vs भा.रा.कां.	242,575 Vs 183,457	भा.ज.प. गुहाराम अजगल्ले
7	जांजगीर	करुणा शुक्ला Vs डॉ. चरणदास महंत	भा.ज.प. Vs भा.रा.कां.	303,655 Vs 292,326	भा.ज.प. करुणा शुक्ला
8	रायपुर	रमेश बैस Vs श्यामाचरण शुक्ल	भा.ज.प. Vs भा.रा.कां.	376,029 Vs 246,510	भा.ज.प. रमेश बैस
9	महासमुंद	विद्याचरण शुक्ल Vs अजित जोगी	भा.ज.प. Vs भा.रा.कां.	296,142 Vs 414,647	भा.रा.कां. अजित जोगी
10	दुर्ग	ताराचंद साहू Vs भूपेश बघेल	भा.ज.प. Vs भा.रा.कां.	382,757 Vs 321,289	भा.ज.प. ताराचंद साहू

11	राजनांदगांव	प्रदीप गाँधी Vs देवत सिंह	भा.ज.प. Vs भा.रा.कां.	314,520 Vs 300,197	भा.ज.प. प्रदीप गाँधी
----	-------------	---------------------------------	-----------------------------	--------------------------	-------------------------

स्त्रोत :- Election Commission of India and Chhattisgarh.

लोकसभा चुनाव 2009^[9]:- भारत के लिए यह 15वां तथा छत्तीसगढ़ के लिए राज्य के गठन के बाद यह द्वितीय लोकसभा चुनाव था। 2004 के लोकसभा चुनाव की तुलना में इस चुनाव में मतदाताओं की संख्या में बढ़ोत्तरी देखने को मिला एवं कई मतदाताओं ने अपना प्रथम मतदान किया। परिसीमन आयोग 2008 के द्वारा आरक्षित अनुसूचित जाति SC की 2 सीट में से 1 सीट की कमी एवं अनारक्षित की 5 सीट में से 1 सीट की वृद्धि किया गया। इस समय भी छत्तीसगढ़ में भारतीय जनता पार्टी की सरकार थी और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री माननीय श्री रमन सिंह जी ही थे। इस चुनाव में छत्तीसगढ़ से राष्ट्रीयकृत दलों जैसे भारतीय जनता पार्टी, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी, बहुजन समाज पार्टी एवं अन्य स्वतंत्र व क्षेत्रीय दल गोंडवाना गणतंत्र पार्टी जैसे दलों ने चुनाव लड़ा। कुल 11 लोकसभा सीटों में 10 सीटों पर पुनः भारतीय जनता पार्टी ने एवं केवल 1 सीट पर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी ने विजय प्राप्त किया। जिन उम्मीदवारों की चुनाव में विजय प्राप्त हुई उनके नाम एवं विजय क्षेत्र निम्नलिखित है-

क्र.	लोकसभा क्षेत्र	उम्मीदवारों के नाम	राजनितिक दल	कुल मत	विजेता
1	बस्तर (ST)	बलिराम कश्यप Vs शंकर सोदी	भा.ज.प. Vs भा.रा.कां.	249,373 Vs 149,111	भा.ज.प. बलिराम कश्यप
2	कांकेर (ST)	सोहन पोटाई Vs श्रीमती फूलोदेवी नेताम	भा.ज.प. Vs भा.रा.कां.	341,131 Vs 321,843	भा.ज.प. सोहन पोटाई
3	सरगुजा (ST)	मुरारीलाल सिंह Vs भानुप्रताप सिंह	भा.ज.प. Vs भा.रा.कां.	416,532 Vs 256,984	भा.ज.प. मुरारीलाल सिंह
4	रायगढ़ (ST)	विष्णुदेव साय Vs हृदयराम राठिया	भा.ज.प. Vs भा.रा.कां.	443,948 Vs 388,100	भा.ज.प. विष्णुदेव साय
5	जांजगीर-चांपा (SC)	कमलादेवी पाटले Vs डॉ. शिवकुमार डहरिया	भा.ज.प. Vs भा.रा.कां.	302,142 Vs 214,931	भा.ज.प. कमलादेवी पाटले
6	कोरबा	करुणा शुक्ला Vs डॉ. चरणदास महंत	भा.ज.प. Vs भा.रा.कां.	293,879 Vs 314,616	भा.रा.कां. डॉ. चरणदास महंत
7	बिलासपुर	दिलीप सिंह जूदेव Vs डॉ. रेनू जोगी	भा.ज.प. Vs भा.रा.कां.	347,930 Vs 327,791	भा.ज.प. दिलीप सिंह जूदेव
8	रायपुर	रमेश बैस Vs भूपेश बघेल	भा.ज.प. Vs भा.रा.कां.	364,943 Vs 307,042	भा.ज.प. रमेश बैस

9	महासमुंद	चंदुलाल साहू Vs मोतीलाल साहू	भा.ज.प. Vs भा.रा.कां.	371,201 Vs 319,726	भा.रा.कां. चंदुलाल साहू
10	दुर्ग	सरोज पाण्डेय Vs प्रदीप चौबे	भा.ज.प. Vs भा.रा.कां.	283,170 Vs 273,216	भा.ज.प. सरोज पाण्डेय
11	राजनांदगांव	मधुसुदन यादव Vs देवत सिंह	भा.ज.प. Vs भा.रा.कां.	437,721 Vs 318,647	भा.ज.प. मधुसुदन यादव

स्त्रोत: - Election Commission of India and Chhattisgarh.

लोकसभा चुनाव 2014^[10]: भारत के लिए यह 16वां लोकसभा चुनाव तथा छत्तीसगढ़ राज्य के लिए यह तृतीय लोकसभा चुनाव था। इस समय भी छत्तीसगढ़ में भारतीय जनता पार्टी की सरकार थी और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री माननीय श्री रमन सिंह जी ही थे। यह तीसरी बार है जो इस राज्य के मुख्यमंत्री पद पर एक ही व्यक्ति बने है। इस चुनाव में भी छत्तीसगढ़ से राष्ट्रीयकृत दलों जैसे भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी, भारतीय जनता पार्टी, बहुजन समाज पार्टी, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी एवं अन्य स्वतंत्र व क्षेत्रीय दल गोंडवाना गणतंत्र पार्टी, जैसे दलों ने चुनाव लड़ा। कुल 11 लोकसभा सीटों में 10 सीटों पर पुनः भारतीय जनता पार्टी ने एवं केवल 1 सीट पर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी ने विजय प्राप्त किया। जिन उम्मीदवारों की चुनाव में विजय प्राप्त हुई उनके नाम एवं विजय क्षेत्र निम्नलिखित है-

क्र.	लोकसभा क्षेत्र	उम्मीदवारों के नाम	राजनितिक दल	कुल मत	विजेता
1	बस्तर (ST)	दिनेश कश्यप Vs दीपक कुमार	भा.ज.प. Vs भा.रा.कां.	261,470 Vs 385,829	भा.ज.प. दिनेश कश्यप
2	कांकेर (ST)	विक्रम उसेंडी Vs श्रीमती फूलोदेवी नेताम	भा.ज.प. Vs भा.रा.कां.	465,215 Vs 430,057	भा.ज.प. विक्रम उसेंडी
3	सरगुजा (ST)	कमलभान सिंह मरावी Vs रामदेओ तिर्की	भा.ज.प. Vs भा.रा.कां.	585,336 Vs 438,100	भा.ज.प. कमलभान सिंह मरावी
4	रायगढ़ (ST)	विष्णुदेव साय Vs आरती सिंह	भा.ज.प. Vs भा.रा.कां.	662,478 Vs 445,728	भा.ज.प. विष्णुदेव साय
5	जांजगीर-चांपा (SC)	कमलादेवी पाटले Vs प्रेमचंद जायसी	भा.ज.प. Vs भा.रा.कां.	518,909 Vs 343,948	भा.ज.प. कमलादेवी पाटले

6	कोरबा	बंशीलाल महतो Vs डॉ. चरणदास महंत	भा.ज.प. Vs भा.रा.कां.	439,002 Vs 434,737	भा.ज.प. बंशीलाल महतो
7	बिलासपुर	लखनलाल साहू Vs करुणा शुक्ला	भा.ज.प. Vs भा.रा.कां.	561,387 Vs 384,951	भा.ज.प. लखनलाल साहू
8	रायपुर	रमेश बैस Vs सत्यनारायण शर्मा	भा.ज.प. Vs भा.रा.कां.	654,922 Vs 483,276	भा.ज.प. रमेश बैस
9	महासमुंद	चंदुलाल साहू Vs अजित जोगी	भा.ज.प. Vs भा.रा.कां.	503,514 Vs 502,297	भा.ज.प. चंदुलाल साहू
10	दुर्ग	सरोज पाण्डेय Vs ताम्रध्वज साहू	भा.ज.प. Vs भा.रा.कां.	553,839 Vs 570,687	भा.रा.कां. ताम्रध्वज साहू
11	राजनांदगांव	अभिषेक सिंह Vs कमलेश्वर वर्मा	भा.ज.प. Vs भा.रा.कां.	643,473 Vs 407,562	भा.ज.प. अभिषेक सिंह

स्त्रोत :- Election Commission of India and Chhattisgarh.

लोकसभा चुनाव 2019^[11]:- भारत का 17वां और छत्तीसगढ़ का चतुर्थ लोकसभा चुनाव था। इससे पहले 2014 लोकसभा चुनाव की तुलना में इस चुनाव में मतदाता युवाओं की संख्या में बढ़ोत्तरी देखी गई। छत्तीसगढ़ में हुए विधानसभा चुनाव 2018 में भी भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी ने बहुमत प्राप्त करके सरकार बनाई थी। लोकसभा चुनाव के समय छत्तीसगढ़ में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी की सरकार थी और छत्तीसगढ़ के तत्कालीन मुख्यमंत्री माननीय श्री भूपेश बघेल जी मुख्यमंत्री थे। इस चुनाव में छत्तीसगढ़ से राष्ट्रीयकृत दलों जैसे बहुजन समाज पार्टी, भारतीय जनता पार्टी, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी, आम आदमी पार्टी एवं अन्य स्वतंत्र व क्षेत्रीय दल गोंडवाना गणतंत्र पार्टी, भारतीय ट्राइबल पार्टी, राष्ट्रीय गोंडवाना पार्टी जैसे दलों ने चुनाव लड़ा। कुल 11 लोकसभा सीटों में पिछले चुनाव के मुकाबले 1 सीट की कमी देखने को मिला और 9 सीटों पर भारतीय जनता पार्टी एवं 1 सीट की बढ़ोत्तरी करते हुए कुल 2 सीट पर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी ने विजय प्राप्त किया। इसका सीधा कारण विधानसभा चुनाव से देखने को मिलता है जहां सत्ता परिवर्तन की लहर चल रही थी जिसका असर लोकसभा चुनाव में भी देखने को मिला और नतीजा यह हुआ कि सत्ता धारी पार्टी को 1 सीट गवाना पड़ा तथा विपक्ष पार्टी के खाते में 1 सीट जुड़ गया। जिन उम्मीदवारों की चुनाव में विजय प्राप्त हुई उनके नाम एवं विजय क्षेत्र निम्नलिखित है-

क्र.	लोकसभा क्षेत्र	उम्मीदवारों के नाम	राजनितिक दल	कुल मत	विजेता
1	बस्तर (ST)	बैदुराम कश्यप Vs दीपक बैज	भा.ज.प. Vs भा.रा.कां.	363,545 Vs 402,527	भा.रा.कां. दीपक बैज
2	कांकेर (ST)	मोहन मंडावी Vs बिंरेश ठाकुर	भा.ज.प. Vs भा.रा.कां.	546,233 Vs 539,319	भा.ज.प. मोहन मंडावी
3	सरगुजा (ST)	रेणुका सिंह सरुता Vs खेल साय सिंह	भा.ज.प. Vs भा.रा.कां.	663,711 Vs 505,838	भा.ज.प. रेणुका सिंह सरुता
4	रायगढ़ (ST)	गोमती साय Vs लालिजीत सिंह राठिया	भा.ज.प. Vs भा.रा.कां.	658,335 Vs 592,308	भा.ज.प. गोमती साय
5	जांजगीर-चांपा (SC)	गुहाराम अजगल्ले Vs रवि परसराम भरद्वाज	भा.ज.प. Vs भा.रा.कां.	572,790 Vs 489,535	भा.ज.प. गुहाराम अजगल्ले
6	कोरबा	ज्योतिनंद दुबे Vs ज्योत्सना चरणदास महंत	भा.ज.प. Vs भा.रा.कां.	497,061 Vs 523,310	भा.रा.कां. ज्योत्सना चरणदास महंत
7	बिलासपुर	अरुण साव Vs अटल श्रीवास्तव	भा.ज.प. Vs भा.रा.कां.	634,559 Vs 492,796	भा.ज.प. अरुण साव
8	रायपुर	सुनील कुमार सोनी Vs प्रमोद दुबे	भा.ज.प. Vs भा.रा.कां.	837,902 Vs 489,664	भा.ज.प. सुनील कुमार सोनी
9	महासमुंद	चुन्नीलाल साहू Vs धनेन्द्र साहू	भा.ज.प. Vs भा.रा.कां.	616,580 Vs 526,069	भा.ज.प. चुन्नीलाल साहू
10	दुर्ग	विजय बघेल Vs प्रतिमा चंद्राकर	भा.ज.प. Vs भा.रा.कां.	849,374 Vs 457,396	भा.ज.प. विजय बघेल
11	राजनांदगांव	संतोष पाण्डेय Vs भोलाराम साहू	भा.ज.प. Vs भा.रा.कां.	662,387 Vs 550,421	भा.ज.प. संतोष पाण्डेय

स्त्रोत :- Election Commission of India and Chhattisgarh.

लोकसभा चुनाव 2024^[12]:- भारत का 18वां और छत्तीसगढ़ का पांचवा लोकसभा चुनाव था। इस चुनाव को हम युवाओं का चुनाव कह सकते हैं क्योंकि पिछले चुनावों के मतदाताओं की अपेक्षा इस चुनाव में युवा मतदाता बढ़ चढ़ कर चुनाव में अपना मूल्यवान मत दिया है। छत्तीसगढ़ में हुए विधानसभा चुनाव 2023 में पुनः भारतीय जनता पार्टी ने बहुमत प्राप्त करके सरकार बनाई। लोकसभा चुनाव के समय छत्तीसगढ़ में

भारतीय जनता पार्टी की सरकार थी और छत्तीसगढ़ के तत्कालीन मुख्यमंत्री माननीय श्री विष्णुदेव साय जी वर्तमान समय तक मुख्यमंत्री है। इस समय भी छत्तीसगढ़ में भारतीय जनता पार्टी की सरकार थी और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री माननीय मुख्यमंत्री श्री रमन सिंह जी ही थे। इस चुनाव में छत्तीसगढ़ से राष्ट्रीयकृत दलों जैसे भारतीय जनता पार्टी, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी, बहुजन समाज पार्टी, आम आदमी पार्टी एवं अन्य स्वतंत्र व क्षेत्रीय दल गोंडवाना गणतंत्र पार्टी (गोंगपा), छत्तीसगढ़ मुक्ति मोर्चा (छमुमो) और छत्तीसगढ़ समाज पार्टी (छसपा) जैसे दलों ने चुनाव लड़ा। पीछले 2019 लोकसभा चुनाव में जो कमियां रह गई थी जिससे इन्हें 1 सीट गवाना पड़ा था उन कमियों को दूर करते हुए कुल 11 लोकसभा सीटों में 10 सीटों पर पुनः भारतीय जनता पार्टी ने विजय प्राप्त की एवं इस बार भी 2004, 2009, 2014 के चुनाव को दोहराते हुए केवल 1 सीट पर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी को संतोष होना पड़ा। पिछले चुनावों की तरह इस बार भी स्वतंत्र एवं राज्य के क्षेत्रीय दलों ने अपना खाता नहीं खोल पाए। जिन उम्मीदवारों की चुनाव में विजय प्राप्त हुई उनके नाम एवं विजय क्षेत्र निम्नलिखित है-

क्र.	लोकसभा क्षेत्र	उम्मीदवारों के नाम	राजनितिक दल	कुल मत	विजेता
1	बस्तर (ST)	महेश कश्यप Vs कवासी लखमा	भा.ज.प. Vs भा.रा.कां.	4,58,398 Vs 4,03,153	भा.ज.प. महेश कश्यप
2	कांकेर (ST)	भोजराज नाग Vs बिरेश ठाकुर	भा.ज.प. Vs भा.रा.कां.	5,97,624 Vs 5,95,740	भा.ज.प. भोजराज नाग
3	सरगुजा (ST)	चिंतामणि महाराज Vs शशि सिंह	भा.ज.प. Vs भा.रा.कां.	7,13,200 Vs 6,48,328	भा.ज.प. चिंतामणि महाराज
4	रायगढ़ (ST)	राधेश्याम राठिया Vs मेनका देवी सिंह	भा.ज.प. Vs भा.रा.कां.	8,08,275 Vs 5,67,884	भा.ज.प. राधेश्याम राठिया
5	जांजगीर-चांपा (SC)	कमलेश जांगडे Vs शिवशंकर डहरिया	भा.ज.प. Vs भा.रा.कां.	6,78,199 Vs 6,18,199	भा.ज.प. कमलेश जांगडे
6	कोरबा	सरोज पाण्डेय Vs ज्योत्सना चरणदास महंत	भा.ज.प. Vs भा.रा.कां.	5,26,899 Vs 5,70,182	भा.रा.कां. ज्योत्सना चरणदास महंत
7	बिलासपुर	तोखन साहू Vs देवेन्द्र यादव	भा.ज.प. Vs भा.रा.कां.	7,24,937 Vs 5,60,379	भा.ज.प. तोखन साहू
8	रायपुर	बृजमोहन अग्रवाल Vs विकाश उपाध्याय	भा.ज.प. Vs भा.रा.कां.	10,50,351 Vs 4,75,066	भा.ज.प. बृजमोहन अग्रवाल
9	महासमुंद	रूपकुमारी चौधरी Vs ताम्रध्वज साहू	भा.ज.प. Vs भा.रा.कां.	7,03,659 Vs 5,58,203	भा.ज.प. रूपकुमारी चौधरी

10	दुर्ग	विजय बघेल Vs राजेंद्र साहू	भा.ज.प. Vs भा.रा.कां.	9,56,497 Vs 5,18,271	भा.ज.प. विजय बघेल
11	राजनांदगांव	संतोष पाण्डेय Vs भूपेश बघेल	भा.ज.प. Vs भा.रा.कां.	7,12,057 Vs 6,67,646	भा.ज.प. संतोष पाण्डेय

स्त्रोत :- Election Commission of India and Chhattisgarh.

निष्कर्ष:- लोकसभा चुनाव में छत्तीसगढ़ का योगदान केवल एक मतदाता राज्य के रूप में ही नहीं बल्कि नीति निर्माण में सहयोग, नेतृत्वकर्ता इनके माध्यम से भी महत्वपूर्ण है दूसरे शब्दों में कहे तो ये लोकसभा चुनाव में ताश का वो पत्ता है जो कभी भी बाजी पलट सकता है। उपरोक्त निष्कर्ष में हम ये देखते हैं कि चुनावी जंग की बात की जाए तो इस छत्तीसगढ़ राज्य में कई क्षेत्रीय दले हैं, लेकिन शुरू से यहां मुख्य चुनावी मुकाबला चाहे वह लोकसभा हो या विधानसभा चुनाव भारतीय जनता पार्टी और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी के बीच देखने को मिल रहा है। राज्य के मतदाता और राष्ट्रीय दले लोकसभा की राजनीतिक विजय रथ को दिशा और भविष्य निर्धारित करने में प्रमुख भूमिका निभा रहे हैं। छत्तीसगढ़ राज्य में 2004 से लेकर 2024 तक के लोकसभा चुनावों के परिणाम एवं तथ्यात्मक विश्लेषणों से स्पष्ट होता है कि जो भी दल स्वहित न देखकर राज्यहित के मुद्दों को सर्वोपरि रखेंगे उन्हीं को ही चुनाव में यहां की जनता से बहुमत मिलेगा। जो भी सरकार द्वारा जनकल्याणकारी योजनायें लाई गई है उनका सुचारू रूप से राज्य के उस आखिरी व्यक्ति तक पहुंचना जिससे उसका विकास हो सके।

संदर्भ सूची:-

1. भारत का संविधान, पृष्ठ क्रमांक 2 (<https://surveyofindia.gov.in.PDF>)
2. भारतीय जनगणना 2011.
3. आर्थिक एवं सांख्यिकी संचालनालय छ.ग., रायपुर, अध्याय 16 छत्तीसगढ़ एक दृष्टि में, पृष्ठ क्रमांक 236. (https://descg.gov.in/pdf/publications/latest/EconomicSurvey2015-16_H/DES-16.pdf)
4. Election commission of India (https://web.archive.org/web/20151223060331/http://eci.nic.in/eci_main1/seats_of_loksabha.aspx)
5. Election commission of India (https://web.archive.org/web/20151223060331/http://eci.nic.in/eci_main1/seats_of_loksabha.aspx)
6. छत्तीसगढ़ राज्य हिन्दी ग्रंथ अकादमी रायपुर, समग्र छत्तीसगढ़, संस्करण 2017, पृष्ठ क्रमांक 57 एवं <https://cgvidhansabha.gov.in/>
7. भारत की सांविधानिक विधि - दुर्गादास बसु एवं भारत की राजव्यवस्था - एम लक्ष्मीकांत।
8. Election commission of India, New Delhi, STATISTICAL REPORT ON GENERAL ELECTIONS, 2004 TO THE 14th LOK SABHA VOLUME I (NATIONAL AND STATE ABSTRACTS & DETAILED RESULTS) Pdf, Page no. 108, 344-347.
9. Election Commission of India, General Elections, 2009 (15th LOK SABHA) 25 - CONSTITUENCY WISE DETAILED RESULTS Pdf, Page no. 180-184.
10. Election Commission of India, General Elections, 2014 (16th LOK SABHA), 17 - State Wise Seat Won & Valid Votes Polled by Political Parties Pdf, Page no 15-16.
11. Election Commission of India, General Elections, 2019 (17 LOK SABHA), 17 - STATE WISE SEAT WON & VALID VOTES POLLED BY POLITICAL PARTIES Pdf, Page no 64-67.

12. Election Commission of India, General Elections, 2024 (18 LOK SABHA), 17 - STATE WISE SEAT WON & VALID VOTES POLLED BY POLITICAL PARTIES Pdf, Page no 48-49.

Copyright & License:

© Authors retain the copyright of this article. This work is published under the Creative Commons Attribution 4.0 International License (CC BY 4.0), permitting unrestricted use, distribution, and reproduction in any medium, provided the original work is properly cited.